



## फनिक्लुवेशन

### प्रलिस के लयः

फनिक्लुवेशन, इंडया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, आरबीआई, स्टार्टअप, वतऱीय समावेशन, डजऱटल इंडया, डाक वभाग ।

### मेन्स के लयः

वृद्धऱ एवं वकऱस, संसाधनों का संग्रहण, सरकारी नीतऱीं और हस्तकषेप वकऱस से संबंघतऱ मुद्दे, बैंकगऱ कषेत्र एवं एनबीएफसी, वतऱीय समावेशन, डजऱटल इंडया ।

## चरचा में कऱों?

हाल ही में इंडया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (India Post Payments Bank - IPPB) द्वारा फनिक्लुवेशन प्लेटफॉर्म (Fincluvation Platform) को लॉन्च कऱऱा गया है, ताकऱ फनऱटेक स्टार्टअप्स के सहयोग से अभनऱव उपायों को बढ़ावा दऱऱा जा सके और वंचतऱ तथा सेवाओं तक पहुँच वाली आबादी के बीच **वतऱीय समावेशन** में तेज़ी लाई जा सके ।

- फनऱटेक (वतऱीय प्रौदऱोगकऱी) शब्द वऱवसायों द्वारा उपयोग कऱऱे जाने वाले उन सॉफ्टवेयर और अनऱय आधुनकऱ तकनीकों को संदरभतऱ करतऱा है जो स्वचालतऱ एवं आऱऱतऱ वतऱीय सेवाएँ प्रदान करते हैं ।

## प्रमुख बऱदऱ

### फनिक्लुवेशन:

- फनिक्लुवेशन, भाग लेने वाले स्टार्टअप के साथ समावेशी वतऱीय समाधान उपलब्ध कराने हेतु IPPB का एक स्थायी मंच होगा ।
  - IPPB और डाक वभाग (Department of Post - DoP) सामूहकऱ रूप से डाकघरों और उनमें कारऱरत्त 4,00,000 से अधकऱ करमचारऱीं तथा ग्रामीण डाक सेवाओं के माधऱम से 430 मलऱऱऱ ग्राहकों को अपनी सेवाएँ उपलब्ध करतऱे हैं जो इसे वशऱव के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद डाक नेटवर्क का नऱरऱाण करते हैं ।
- वतऱीय समावेशन के लऱऱे लक्षऱतऱ सारथक वतऱीय उत्पादों के नऱरऱाण** की दशऱा में स्टार्टअप्स समुदाय को प्रोत्साहऱतऱ करने हेतु एक शकऱतऱशऱली मंच की स्थापना करने की यह **उदऱऱोग की प्रथम पहल** है ।
- स्टार्टअप्स को नमऱनलखऱतऱ टऱरैक्स के साथ संरेखऱतऱ समाधान वकऱसतऱ करने के लऱऱे प्रोत्साहऱतऱ कऱऱऱा जाता है:
  - क्रेडऱटाऱऱेज़ेशन**- लक्षऱतऱ ग्राहकों के साथ संयोजऱतऱ नवोन्मेषी तथा समावेशी क्रेडऱटऱ उत्पादों का वकऱस करऱा एवं उन्हें डाक नेटवर्क के माधऱम से उनके द्वारा तक पहुँचाना ।
  - डजऱटऱऱेज़ेशन**- डजऱटऱल भुगतान प्रौदऱऱोगकऱीयों के साथ पारंपरकऱ सेवाओं के समन्वऱन के माधऱम से सुवधऱा प्रदान करऱा, उदाहरण के लऱऱे अंतः पारस्परकऱ बैंकगऱ सेवा के रूप में पारंपरकऱ मनीऑर्डर सेवा उपलब्ध करऱाना ।
  - बाज़ार आधारऱतऱ समाधान**- बाज़ार आधारऱतऱ कोई भी समाधान जो लक्षऱतऱ ग्राहकों की सेवा करने में आईपीपीबी (IPPB) और/या डाक वभाग से संबंघतऱ कऱऱीसऱी अनऱय समस्या का समाधान करने में सहायतऱा कर सकऱती है ।
- फनिक्लुवेशन मेंटर स्टार्टअप्स के साथ मलऱकर कारऱऱे ताकऱ ग्राहकों की ज़रूरतों के हसऱब से उत्पादों में बदलाव कऱऱऱा जा सके और आईपीपीबी और डीओपी के ऑपरेटऱगऱ मॉडल के साथ बाज़ार में प्रवेश की रणनीतऱ बऱनाई जा सके ।

## भारत में फनिक्लुवेशन की आवशऱकतऱा:

- नए अवसरों को बढ़ावा देना**: पारंपरकऱ वतऱरऱण नेटवर्कों से जुड़ी वतऱीय सेवाओं के साथ प्रौदऱऱोगकऱी का समन्वऱन नए प्रकार के वऱवसाय अवसर उपलब्ध करऱा रही है ।
- उपयोगकरऱतऱाओं के अनुभव को बढ़ाना**: प्रौदऱऱोगकऱी खऱरद के पारंपरकऱ मॉडल के कारण बैंकों द्वारा उत्पाद नऱरऱाण में अकऱसर उपयोगकरऱतऱा के अनुभव की कमी देखी जातऱी है जसऱसे ग्राहकों की अपेक्षाओं और सेवा वतऱरऱण के बीच एक बड़ा अंतर उत्पन्न होता है ।

- **पारंपरिक प्रौद्योगिकियों की वफिलता:** उत्पाद निर्माण में स्वामित्व की कमी के कारण पारंपरिक प्रौद्योगिकी फर्म ग्राहकों की सेवा अपेक्षाओं को पूरा करने में वफिल रहती है। भारतीय नागरिकों की वविधि ज़रूरतें हैं, इसलिये उपयोगकर्त्ताओं के बीच सावधानीपूर्वक वचिार करते हुए उत्पाद का डिजाइन और प्रतरूप तैयार करने की आवश्यकता है।

## इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक

- IPPB को वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री द्वारा भारत सरकार के स्वामित्व वाली 100% इक्वटी के साथ लॉन्च किया गया था।
- यह भारतीय डाक वविभाग का एक भुगतान बैंक है जो डाकघरों और लगभग 4 लाख डाकियों के नेटवर्क के माध्यम से काम करता है। इसे **भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI)** द्वारा नयितरति किया जाता है।
- बैंकों की स्थापना भारत में आम आदमी के लिये सबसे सुलभ, कफियती और भरोसेमंद बनाने की दृष्टिसे की गई है। IPPB का मूल उद्देश्य है बैंक के अभाव और ऐसी बाधाओं को दूर करना तथा अंतमि वयक्त तिक बैंक की सुवधा पहुँचाना है।
- IPPB कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और **डजिटल इंडिया** के वजिन में योगदान करने के लिये प्रतबिद्ध है।

## वत्ततीय समावेशन:

- वत्ततीय समावेशन मुख्यधारा के संस्थागत प्लेयरस द्वारा उचति और पारदर्शी तरीके से यथोचति वत्ततीय उत्पादों और सेवाओं तक पहुँच सुनश्चित करने की प्रक्रिया है, जसिमें कमज़ोर वर्ग और कम आय वाले समूह शामिल हैं।

## वत्ततीय समावेशन के लिये कुछ अन्य पहलें:

- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना
- स्टैंडअप इंडिया योजना
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना
- अटल पेंशन योजना
- प्रधानमंत्री जन धन योजना

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. भारत के संदर्भ में नमिनलखिति पर वचिार कीजिये:(2010)

1. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
2. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का गठन
3. बैंक शाखाओं द्वारा गाँवों को गोद लेना

भारत में "वत्ततीय समावेशन" के लिये उपरोक्त में से कौन-सा/से कदम उठाया/उठाए जाना/जाने चाहिये?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

- बैंकों के राष्ट्रीयकरण ने बैंक शाखाओं के वसितार में मदद की और इस तरह अधकि-से-अधकि लोगों तक पहुँच बनाई। इसके अलावा कृषि, लघु उद्योगों और संबद्ध क्षेत्रों के ऋण में भी वृद्धि हुई है। **अतः कथन 1 सही है।**
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRB) की स्थापना **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधनियम, 1976** के तहत सरकार द्वारा प्रायोजति, क्षेत्र आधारति ग्रामीण ऋण देने वाली संस्थाओं के रूप में की गई थी। RRB को हाइब्रडि माइक्रो बैंकिंग संस्थानों के रूप में आकार देने के लिये स्थानीय अभविनियस और सहकारी समतियों की लघु-स्तरीय ऋण देने की संस्कृति एवं वाणज्यिक बैंकों की व्यावसायिक संस्कृति को आपस में जोड़ा गया था। **अतः कथन 2 सही है।**
- भारत में 1960 के दशक में कृषि-ऋण को लागत प्रभावी तरीके प्रोत्साहित करने के अलावा अपनी पहुँच बढ़ाने के उद्देश्य से से बैंकों द्वारा एक गाँव को गोद लेने की योजना शुरु की गई थी। **अतः कथन 3 सही है।**

## स्रोत: पीआईबी

